समास

ग्रोस्त्रियोरुपसर्जनस्य

प्रस्तुत सूत्र लघुसिद्धान्त कौमुदि के समास प्रकरण के तत्पुरुष समास के अन्तर्गत विधि सूत्र है। चूकि मात्र सूत्र से ही उसका अर्थ स्पष्ट नहीं होता अतः उसकी स्पष्टीकरण के लिए 'ह्रस्वो नपुंसके प्रातिपदिकस्य' से 'ह्रस्वः' और 'प्रातिपदिकस्य' की अनुवृत्ति करते हैं। प्रत्ययग्रहणे तदन्तविधिः इस परिभाषा से सूत्रस्थ 'स्त्री' प्रत्यय शब्द से स्त्रीप्रत्ययान्त अर्थ का बोध होता है। उपसर्जनसंज्ञक 'ङी' और 'स्त्रीप्रत्ययान्त' शब्द समुदाय की अनुवृत्त 'प्रातिपदिकस्य' के विशेषण है। अतः उसमें भी तदन्तविधि हो जाती है। तदनुसार सूत्र का अर्थ होता है — जिस प्रातिपदिक के अन्त में उपसर्जनसंज्ञक 'ङी' या 'स्त्रीप्रत्ययान्त' शब्द हो उसका ह्रस्व हो जाता है।

उदा० — 'अतिमाला' शब्द की उपसर्जनसंज्ञा 'एकविभक्ति-चापूर्वनिपाते' से होने पर 'ग्रोस्त्रियोरुपसर्जनस्य' से अन्तिम 'आप्' आकार के स्थान में ह्रस्व आकार होने पर 'अतिमाल' शब्द से विभक्ति कार्य करके 'अतिमालम्' रूप सिद्ध होता है।